

Tender Heart High School, Sector 33-B, Chandigarh

Date -

Class - VI

Subject - Hindi Language Page - 1

Subject Teacher - Ms. Roma Rani

पुस्तक - आसौद हिन्दी व्याकरण - 6

‘पर्यायवाची शब्द’ (आम से जल तक)

सुप्रभात प्यारे बच्चों !

यह पाठ ‘पर्यायवाची शब्द’ कक्षा छठी की हिन्दी व्याकरण की पाठ्यपुस्तक आसौद भाग-6 की पृष्ठ संख्या 98 में दिया गया है। यह पाठ आपको 4 अप्रैल, 2022 को सौना जास्वा।

प्यारे बच्चों ! आज हम इस पाठ में ‘पर्यायवाची’ शब्द पढ़ेंगे। इसलिए सभी बच्चे अपने पास हिन्दी की एक अभ्यास पुस्तिका भी रख लें, क्योंकि मैं आपको पाठ के दौरान कुछ कार्य लिखने के लिए भी दूँगी। बच्चों ! यदि आप तैयार हैं तो मैं आपको ‘पर्यायवाची’ शब्द समझाने जा रही हूँ। सभी बच्चे इसे ध्यानपूर्वक पढ़ेंगे एवं समझेंगे।

बच्चों ! ‘पर्यायवाची’ शब्द दो शब्दों के मेल से बना है ‘पर्याय’ तथा ‘वाची’। ‘पर्याय’ शब्द का अर्थ है समान तथा ‘वाची’ शब्द का अर्थ है बोलै जाने वाले। अर्थात् समान रूप से बोलै जाने वाले शब्द ‘पर्यायवाची’ कहलाते हैं।

इस प्रकार, पर्यायवाची शब्दों के अर्थ आपस में मिलते - जुलते हैं, किंतु ये एक समान नहीं होते हैं।

जैसे :- . पृथ्वी शब्द के पर्यायवाची शब्द हैं -

भू, भूमि, वसुंधरा

. दिन शब्द के पर्यायवाची शब्द हैं -

वार, दिवस, वासर

Date- _____ Class - VI
 Subject- Hindi Language Page - 3
 Subject Teacher- Ms. Roma Rani

अपनी पुस्तक में से देखकर करें।

शब्द

पर्यायवाची

आम	रसाल, आम्र, अमृतफल
आँखें	नेत्रजल, नयनजल, चक्षुजल
आत्मा	जीव, चैतन्य, अंतःकरण
आग	अग्नि, अन्तल, पावक
आँख	लोचन, नयन, नेत्र
आकाश	नभ, गगन, अंबर
आनंद	हर्ष, सुख, आसौद
आश्रम	कुटी, विहार, मठ
आईना	दर्पण, आरसी, शिशा
इंद्र	महेंद्र, सुरेंद्र, देवराज
ईश्वर	परमात्मा, परमेश्वर, जगदीश
उत्सुक	आतुर, उत्कण्ठित, बेसब्र
उल्लास	हर्ष, आनंद, प्रसौद
उजाला	प्रभा ज्योति, प्रकाश
कपड़ा	वस्त्र, वसन, चीर
कमल	जलज, पंकज, नीरज
कामदेव	अनंगा, मनसिज, मनोज
गाँगा	जाह्नवी, देवगदी, सदाकिनी
गणेश	गजानन, गणपति, लंबोदर
जल	वारि, नीर, सलिल